

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 14, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ, भाषाई मुद्दे, भाग 3, और अधिक अलंकार

© 2024 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 14 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ भाषाई मुद्दे भाग 3, भाषण के और भी अलंकार।

हम आलंकारिक भाषा के बारे में अपनी चर्चा जारी रख रहे हैं, और हम कुछ और आलंकारिक भाषा, कुछ और अलंकारों को देखना चाहते हैं जो हमें बाइबल में मिलते हैं, और उनमें से एक है मानवीकरण। मानवीकरण तब होता है जब किसी निर्जीव वस्तु को लोगों द्वारा किए जाने वाले काम करने के लिए कहा जाता है, और निर्जीव वस्तुएँ वास्तव में अपने आप कार्य नहीं करती हैं।

समस्या यह है कि सभी भाषाएँ ऐसा नहीं कर सकतीं। सभी भाषाओं में उस प्रकार की आकृति नहीं होती जिसका वे उपयोग कर सकें, खासकर जब ये आकृतियाँ अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग करती हैं। कुछ संस्कृतियों में अमूर्त संज्ञाएँ नहीं होती हैं, इसलिए आपके पास एक आकृति होती है जो अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग करके कुछ करती है, और यह इन लोगों के लिए पूरी तरह से अलग है। इसलिए, आपको जो संप्रेषित किया जा रहा है उसका अर्थ संप्रेषित करने का दूसरा तरीका सोचना होगा।

इसलिए, हमें इसका अर्थ निर्धारित करना होगा, इसे तोड़ना होगा, इसे इसके सांस्कृतिक संदर्भ में समझना होगा, और फिर उस आकृति का उपयोग किए बिना जो कुछ भी कहा गया है उसका सम्मान, अभिव्यक्ति और प्रतिबिंबित करने का प्रयास करना होगा। इसलिए, उनके आस-पास रहने वाले सभी लोगों पर भय छा गया। जॉन बैपटिस्ट के जन्म के बाद यही हुआ, और लोग आश्चर्यचकित थे कि इस 90 वर्षीय महिला, या जो भी वह थी, ने इस बच्चे को जन्म दिया, और बच्चा स्वस्थ था।

और इसलिए, उनके आस-पास रहने वाले सभी लोगों पर भय छा गया। यह लूका की पुस्तक में एक श्लोक है। तो, जब आप यह देखते हैं तो आप क्या कहते हैं? शायद उनके आस-पास के सभी लोग डर गए।

आपके विश्वास ने आपको स्वस्थ कर दिया है। यीशु ने इसे कई बार इस्तेमाल किया। उसने इसे रक्तस्राव से पीड़ित महिला के लिए इस्तेमाल किया।

और फिर, आपके पास आस्था शब्द है। जब आपके पास ऐसा कोई शब्द नहीं होता तो आप क्या करते हैं? जैसे आस्था एक अमूर्त संज्ञा है। यह कोई मूर्त, ठोस चीज़ नहीं है।

तो, उसने क्या किया? उसने विश्वास किया। क्योंकि आपने विश्वास किया, आप ठीक हो गए। या इससे भी आगे बढ़कर, क्योंकि आपने मुझ पर विश्वास किया, आप ठीक हो गए।

इसलिए, हम हमेशा यह सीधे-सीधे नहीं कर सकते, खासकर तब जब हमारे पास भाषा की ये बाधाएँ हों। ठीक है, मेटोनीमी और सिनेकडोक अन्य चीजें हैं जिन पर हम विचार करने जा रहे हैं। मेटोनीमी का उपयोग तब किया जाता है जब किसी वस्तु का उपयोग खुद को संदर्भित करने के बजाय किसी और चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

और सिनेकडोक एक भाग-संपूर्ण संबंध है। अब इन दो शब्दों को अलग करना थोड़ा मुश्किल है। कब कोई चीज़ सिनेकडोक होती है? कब कोई चीज़ मेटोनीमी होती है? और यह वाकई मुश्किल है।

तो, कुछ मायनों में, हम इसे सिर्फ़ एक श्रेणी के रूप में देखते हैं और कहते हैं कि यह एक अलंकार है। और उस अलंकार में, किसी चीज़ को किसी और नाम से पुकारकर उसका संदर्भ दिया जाता है। ठीक है।

मेटोनीमी आमतौर पर एक विशेष सामान्य डोमेन या फ्रेम के भीतर रहता है। यही बात सिनेकडोक के बारे में भी सच है।

याद रखें कि रूपक दो अलग-अलग रूपों में आते हैं। दो बिल्कुल अलग चीज़ों की तुलना की जा रही है। यहाँ, आपको कम से कम एक ही श्रेणी में कुछ ऐसा मिला है जो उस श्रेणी की किसी दूसरी चीज़ का संदर्भ देता है।

उदाहरण के लिए, एक रूपक का उपयोग करते हुए, उसका कमरा एक सूअर का बाड़ा है, जो एक मानव निवास है। सूअर का बाड़ा पशुओं के लिए होता है।

और ये दो अलग-अलग संदर्भ फ्रेम हैं जिन्हें रूपक जोड़ रहा है। ठीक है, मेटोनीमी के बारे में क्या? हमारे पास ऐसी चीज़ें हैं। मुझे शेक्सपियर पढ़ना पसंद है।

क्षमा करें, शेक्सपियर एक ऐसे व्यक्ति हैं जो कई शताब्दियों पहले मर गए। तो, शेक्सपियर किसका प्रतिनिधित्व करते हैं? शेक्सपियर के लेखन या शेक्सपियर की किताबें। डलास ने आज जीत हासिल की।

डलास वह टीम है जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं, चाहे वह कोई खेल हो या कोई और। क्या आप एक कप लेना चाहते हैं? तो, एक कप उस पेय का प्रतिनिधित्व करता है जो उसमें है। तो, आप जानते हैं, ठीक है, हम एक कप कॉफी लेने जा रहे हैं।

ब्रिटिश लोग इसे कपपा कहते हैं। चलो एक कपपा पीते हैं। और इसका मतलब है कप ऑफ, है न? और ब्रिटेन में इसका मतलब आमतौर पर चाय होता है।

कप चाय के लिए आओ, तो आप जानते हैं कि आपको एक कप चाय मिलेगी। मैं लाइब्रेरी के पास पार्क किया हुआ हूँ। माफ़ करें, मैं यहीं खड़ा हूँ और आपसे बात कर रहा हूँ, और मैं लाइब्रेरी के पास नहीं हूँ।

लाइब्रेरी के पास क्या है? मेरी कार। तो, मैं और मेरी कार। फिर से, यह मेरी कार है, है न? तो यह दूसरी बात है।

व्हाइट हाउस ने आज घोषणा की। व्हाइट हाउस का मतलब है संभवतः राष्ट्रपति। राष्ट्रपति ने आज घोषणा की, लेकिन वे व्हाइट हाउस कहते हैं और हम सभी यह जानते हैं।

यहाँ एक अच्छी, दिलचस्प कहावत है: अगर समर्थक का मतलब विपक्ष है, तो प्रगति का विपरीत क्या है? कांग्रेस। और इसलिए, हम कहते हैं कि कांग्रेस इन दिनों सबसे पागलपन भरी चीजें कर रही है। खैर, कांग्रेस लोगों का एक समूह है।

तो, लोग सामूहिक रूप से पागलपन भरे काम कर रहे हैं, लेकिन हम कांग्रेस शब्द का इस्तेमाल करते हैं। और इसलिए यह इन आंकड़ों में से एक है। ठीक है, सिनेकडोक के उदाहरण।

उसने उससे शादी के लिए पूछा। तो मैंने अपनी पत्नी के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। उसने हाँ कह दिया।

उसने कहा कि हमें मेरे माता-पिता से बात करनी चाहिए। इसलिए, हम उसके घर गए और हम साथ में खाना खा रहे थे और लिविंग रूम में बैठकर बातें कर रहे थे। और फिर पिताजी ने कहा, तो हमें बताओ कि तुम यहाँ क्यों आई हो।

और मैंने कहा कि मैं आपकी बेटी का हाथ मांगने आया हूँ। और बिना किसी रुकावट के, अच्छा पुराना डैड जोक, क्या आप उसका बाकी हिस्सा भी चाहते हैं? उसका हाथ उसका प्रतिनिधित्व करता है। तो यह एक पर्यायवाची है।

यह एक भाग-संपूर्ण संबंध है या एक संपूर्ण चीज़ है जो इसके किसी भाग का प्रतिनिधित्व करती है। अच्छे पहिए, इसका क्या मतलब है? अच्छी कार। क्या आप कह रहे हैं कि सिर्फ़ पहिए अच्छे हैं, और बाकी सब अच्छा नहीं है? नहीं, आप कह रहे हैं कि पूरी चीज़ अच्छी है, लेकिन आप इसे पहियों के रूप में संदर्भित करते हैं।

अरे, मैं कुछ नए पहिये खरीदने जा रहा हूँ। शायद मैं एक नई कार खरीद रहा हूँ। तुम मेरे दिल में हो।

फिर से, हृदय का अर्थ है संपूर्ण व्यक्ति। और इसलिए कभी-कभी यह निर्धारित करना कठिन होता है कि यह रूपक है या पर्यायवाची। यह समझना अधिक महत्वपूर्ण है कि यह आलंकारिक है और इसे शाब्दिक रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।

और यह पता लगाना कि इन दो चीज़ों के बीच क्या तुलना है या क्या संबंध या संबंध है। ठीक है। तो पहली बात जो हम करते हैं वह यह है कि हमें यह समझना होगा कि हमारे पास एक आंकड़ा है।

कभी-कभी यह स्पष्ट नहीं होता, लेकिन हमें यह महसूस करना होगा कि, ओह, यहाँ एक छिपी हुई चीज़ है जिस पर हमें विचार करने और संभवतः उसे तोड़ने की ज़रूरत है। इसलिए, मैं शांति लाने नहीं बल्कि तलवार लाने आया हूँ। ये यीशु के शब्द हैं।

वह शांति लाने नहीं आया था। दूसरे शब्दों में, वह सभी को एक दूसरे के साथ शांति से रहने के लिए नहीं आया था। यह यीशु की उन कठोर बातों में से एक है, लेकिन तलवार किसका प्रतिनिधित्व करती है? लड़ाई, युद्ध, संघर्ष, शायद शारीरिक चोट।

हम नहीं जानते। लेकिन तलवार वह शब्द है जो इन अन्य चीज़ों का प्रतिनिधित्व करता है। और इसलिए यह युद्ध का एक ही सामान्य क्षेत्र है।

तो, हम कहेंगे कि यह युद्ध का एक पर्यायवाची है। भगवान उसे उसके पिता, दाऊद का सिंहासन देंगे। ठीक है।

हम इसके बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे। प्रभु का हाथ उनके साथ था। प्रभु का हाथ आप पर है।

पहला शिष्यों के बारे में बात कर रहा है। दूसरा तब था जब हनन्याह आया और पौलुस से बात की। तो, जब हम इसका अनुवाद करते हैं तो हम क्या करते हैं? खैर, हमने यह समझ लिया कि यह एक है।

अब, हम क्या करें? एक बार जब आकृति की पहचान हो जाती है, तो यह निर्धारित करें कि यह किसका प्रतीक है। और इसलिए, जैसा कि हमने कहा, मैं शांति लाने नहीं, बल्कि तलवार लाने आया हूँ। तलवार का मतलब है लड़ाई, युद्ध और संघर्ष।

अगले के बारे में क्या? परमेश्वर उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन देगा। सिंहासन किसका प्रतिनिधित्व करता है? राजा होना, शासन करना, वह अधिकार जो दाऊद के पास था। फिर, यह वास्तव में यीशु और ल्यूक के बारे में बोल रहा है, कि वह दाऊद की तरह एक शासक बनकर आएगा।

और इस्राएल के लोगों पर। प्रभु का हाथ वाणी का अलंकार है। यह पूरी बात एक मुहावरा भी है।

तो, हमने सभी आकृतियों को एक साथ मिला दिया है। भगवान का हाथ उनके साथ था। इसका क्या मतलब है? अगर आप वहाँ देखें, तो वहाँ किसी तरह का आशीर्वाद था।

परमेश्वर की उपस्थिति उनके साथ थी। परमेश्वर उनकी मदद कर रहा था। पौलुस के मामले में, प्रभु का हाथ आप पर है या आप पर है।

और उस कहानी का बाकी हिस्सा यह है कि आप तीन दिनों के लिए अंधे हो जाएँगे। और फिर कोई आकर आपको बचाएगा, और आप फिर से देख पाएँगे। तो यह क्या है? क्या हो रहा है? तो, हमें फिर से याद रखना होगा कि हमने क्या कहा; एक छोटा सा शब्द अभिव्यक्ति के पूरे अर्थ को बदल सकता है।

प्रभु का हाथ आपके साथ बनाम प्रभु का हाथ आपके ऊपर। क्या हमेशा ऐसा ही होता है? हम इसका पता लगाने के लिए और अधिक शोध करेंगे। क्या यह एक पैटर्न है जिसे हम बता सकते हैं? लेकिन प्रभु का हाथ आपके ऊपर होने से आपके मन में क्या आता है? और फिर से, याद रखें, ये शब्द चित्र हैं जो मन में एक स्थिति लाते हैं।

वे हमारे दिमाग में इस संदर्भ को लाते हैं, भले ही यह लिखा न हो। सज़ा। भगवान तुम्हें सज़ा देने जा रहा है।

कुछ जगहों पर भगवान का हाथ उन पर भारी था। तो अब हम, नंबर एक, समझ गए हैं कि यह क्या है। यह एक आंकड़ा है।

नंबर दो, हमने पहचान लिया है कि आकृति के पीछे क्या अर्थ छिपा है। अब सवाल यह है कि हम इसे कैसे कहें? क्योंकि कई भाषाओं में, अगर आप भगवान का हाथ कहते हैं, तो क्या उनमें वह विचार या अवधारणा या अभिव्यक्ति भी है? अगर नहीं, तो हमें इसे संप्रेषित करने के लिए कुछ करना होगा। तो, फिर हम यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि इसे कैसे कहा जाए।

हम इसे लक्ष्य भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके से एक आकृति का उपयोग करके अनुवाद करते हैं। इसलिए, अगर हम इस आकृति को बनाए रख सकते हैं और कह सकते हैं कि भगवान का हाथ या उसे उसके पिता का सिंहासन दे, तो हम इसे बनाए रख सकते हैं यदि यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है। भले ही यह कहने का सबसे स्वाभाविक तरीका न हो, अगर यह कहने का स्वीकार्य तरीका है और लोग कहते हैं, हाँ, हम इसे समझते हैं, और यह अजीब नहीं लगता है, या यह बहुत विदेशी नहीं लगता है, तो यह ठीक हो सकता है।

लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो हमें इसे फिर से कहना होगा। और आमतौर पर, इसे अलंकार का उपयोग किए बिना अधिक सीधे तरीके से दोहराया जाता है। इसलिए परमेश्वर उसे उसके पिता, दाऊद का सिंहासन देगा।

परमेश्वर उसे इस्राएल पर वैसा ही शासन करने देगा जैसा दाऊद ने या उसके पिता दाऊद ने किया था। प्रेरितों के काम 11:21, प्रभु का हाथ उनके साथ था, प्रभु उनके साथ था, प्रभु उन्हें आशीर्वाद दे रहा था, प्रभु उन्हें सफलता दे रहा था, कुछ इस तरह का। फिर से, यह लक्ष्य भाषा पर निर्भर करता है, लेकिन कम से कम हम अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

और फिर, हम टूलबॉक्स में से वह चुनते हैं जो उस चीज़ के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त हो जिस पर हम काम कर रहे हैं। ठीक है, प्रभु का हाथ आप पर है। प्रभु आपको सज़ा दे रहे हैं। क्या पॉल समझ गया कि प्रभु उसे सज़ा दे रहे हैं? हाँ।

लेकिन फिर से, किसी चीज़ पर हाथ शब्द हमेशा हमारे लिए भी स्पष्ट नहीं होता है। इसलिए, यदि आप पढ़ते हैं कि भगवान का हाथ आप पर है, तो आप जाते हैं, मुझे नहीं पता कि क्या हो रहा है। आप पूरा संदर्भ पढ़ते हैं, आप जाते हैं, ठीक है।

हाँ, मुझे समझ में आ गया है कि भगवान किसी तरह उन्हें सज़ा दे रहे हैं। ठीक है, तो उत्पत्ति 14 में मेटोनीमी और सिनेकडोक का अनुवाद। और मैं चाहता हूँ कि हम यहाँ थोड़ी देर के लिए रुकें।

ठीक है, तो यह स्थिति पद 1 में शुरू होती है और कहती है, और यह शिनार के राजा अम्राफेल, एल्लासार के राजा अर्योक, एलाम के राजा कदोरलाओमर और गोर्डम के राजा तिदाल के दिनों में हुआ। उन्होंने सदोम के राजा बेरा और गोमोरा के राजा बिर्शा, अदमा के राजा शिनाब, सबोर्डम के राजा शेमेबेर और सोअर के राजा बेला के खिलाफ युद्ध किया। और ये सिद्दीम की घाटी में सहयोगी के रूप में आए जो कि खारा सागर है, जिसे मृत सागर के रूप में भी जाना जाता है।

तो, आपको ये पाँच राजा और ये चार राजा मिले। फिर, वे हमें इस बीच क्या हुआ, इसकी पिछली कहानी बताते हैं। और उन्हें बताया गया कि पाँच राजाओं ने कदोरलाओमर के खिलाफ विद्रोह किया, जो प्रमुख राजा था।

कई वर्षों तक अधीन रहने के बाद, उन्होंने कहा, नहीं, हम अब ऐसा नहीं करेंगे, और फिर उन्होंने विद्रोह कर दिया। इसलिए, पहले चार राजाओं का उल्लेख किया गया था, वे इस खारे समुद्र की ओर चले गए, और अपने रास्ते में उन्होंने इन लोगों, और इन लोगों, और इन लोगों, और इन लोगों पर विजय प्राप्त की, और फिर हम सुनते हैं कि वे इस खारे समुद्र में मिले। और सदोम का राजा, और अमोरा का राजा, और अदमा का राजा, और सबोर्डम का राजा, और बेला या सोअर का राजा बाहर आया और उन्होंने सिद्दीम की घाटी, खारे समुद्र में उनके खिलाफ युद्ध के लिए तैयार किया, एलाम के राजा कदोरलाओमर, गोर्डम के राजा तिदाल, शिनार के राजा अम्राफेल, और एल्लासार के राजा अर्योक के खिलाफ।

चार राजा पाँच के विरुद्ध। अब सिद्दीम की घाटी टार के गड्डों से भरी हुई थी, और सदोम और अमोरा के राजा भाग गए, और वे उनमें गिर गए, लेकिन जो बच गए वे पहाड़ी इलाके में भाग गए। क्या हम यहाँ मेटोनीमी या सिनेकडोक देखते हैं? मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा।

तो, जब यह कहा जाता है कि चार राजा पाँच राजाओं के विरुद्ध युद्ध में खड़े हैं, तो कौन लड़ रहा है? राजा और उनकी सेनाएँ। और यह बहुत स्पष्ट है यदि आप पूरा अंश पढ़ते हैं, राजा और उनकी सेनाएँ, और वे राजा को एम्फीट्रियन के राजा के रूप में संदर्भित करते हैं, इसलिए यह बात करने का एक संक्षिप्त तरीका है। और हमें सेनाएँ, सेनाएँ, सेनाएँ, सेनाएँ, सेनाएँ दोहराने की ज़रूरत नहीं है।

हम बस यह राजा और वह राजा, या ये राजा और वे राजा कहते हैं, और इसीलिए नौवें श्लोक में कहा गया है, पाँच के विरुद्ध चार राजा। तो, यह पूरी बात एक विशाल रूपक है, या इसका उपयोग करते हुए एक विशाल आलंकारिक भाषा है, चलो इसे रूपक कहते हैं, ठीक है? बढ़िया। फिर दसवें श्लोक में, अब सिद्दीम की घाटी टार के गड्डों से भरी हुई थी, और सदोम और अमोरा के राजा भाग गए, और हिब्रू पाठ में शाब्दिक रूप से यह कहा गया है, और वे उनमें गिर गए, और शेष लोग पहाड़ियों पर भाग गए।

ठीक है? सवाल। तार के गड्ढों में कौन गिरा? और कौन बच गया? क्या मैं पूछ सकता हूँ, कौन भाग गया? आइए श्लोक दस से इसकी शुरुआत करते हैं। तो, हम श्लोक दस को देख रहे हैं।

अब घाटी तार के गड्ढों से भरी हुई थी; सदोम और अमोरा के राजा भाग गए, और वे उनमें गिर गए। लेकिन जो बच गए वे पहाड़ी इलाके में भाग गए। कौन भाग गया? यह उन रहस्यमय चीजों में से एक है जिसे लेखक मानता है कि पाठक इसे समझ जाएगा।

यह स्पष्ट है कि सेनाएँ यहाँ युद्ध में हैं, और यह स्पष्ट है कि कुछ सेनाओं ने अन्य सेनाओं को हराया है, और जो पराजित हैं, वे क्या करते हैं? वे भाग जाते हैं। और जब वे भाग रहे होते हैं, तो ठीक है, इसलिए पूरी बात राजा, राजा, यानी राजा, सेना, राजा और सेना को संदर्भित करती है। पूरी बात, पूरी तरह से।

हम दसवीं आयत का अनुवाद कैसे करें? गुड न्यूज़ ट्रांसलेशन के अनुसार, सदोम और अमोरा के राजाओं ने युद्ध से भागने की कोशिश की। वे गड्ढों में गिर गए। बाकी तीन राजा पहाड़ों पर भाग गए।

उन्होंने इस आंकड़े को शाब्दिक रूप से लिया। और अगर आप इसे देखें और कहें, ठीक है, इसमें वे लिखा है, ठीक है, इसके बाद राजा लिखा है। लेकिन हिब्रू में, हिब्रू मानसिकता में, इसमें राजा नहीं लिखा है।

राजा का मतलब राजा और सेना दोनों से है। इसके अलावा, अगर आप परिदृश्य के बारे में सोचें, तो आपके पास एक युद्ध का मैदान है, और आपके पास सैकड़ों-हजारों सैनिक लड़ रहे हैं। तो, यह किसको संदर्भित करता है? क्या यह केवल सदोम और अमोरा के राजा को संदर्भित करता है? मुझे नहीं लगता कि यह सही व्याख्या है।

मुझे नहीं लगता कि यह सही व्याख्या है। और मुझे लगता है कि यह एक आंकड़े को शाब्दिक रूप से ले रहा है, और हम क्या? कृपया कभी भी आंकड़ों को शाब्दिक रूप से न लें, ठीक है? और इसमें अन्य तीन राजाओं का उल्लेख नहीं है। यह क्या कहता है? वे।

फिर से, यह गूढ़ है। हिब्रू में ऐसा ही किया जाता है। लेकिन हम देखते हैं कि इस आयत में एक समस्या है क्योंकि यह बहुत शाब्दिक है, और इसमें केवल पाँच पुरुषों के बारे में बात की गई है।

लेकिन कुछ और भी है जो हमारे दिमाग को इस तथ्य से अवगत कराता है कि यह सही नहीं है। आप आगे के अंश में नीचे देखेंगे। अब्राहम द्वारा लूत और सदोम के सभी लोगों को बचाने के बाद सदोम का राजा अब्राहम का स्वागत करता है। और वह क्या करता है? वह उसका स्वागत करता है और कहता है, बहुत खुशी है कि तुमने सभी को बचाया।

मैं तुम्हें कैसे दे सकता हूँ, है न? लेकिन अगर वह तार पिट में गिर गया, तो वह कहाँ से आया? विचार यह है कि आप तार पिट में गिरे और क्या? मर गए। ठीक है। अगर वह तार पिट में गिर गया और मर गया, तो वह कहाँ से आया? तो, वहाँ एक विसंगति है।

और इसलिए, यहाँ बहुत सारे मुद्दे हैं जिनसे हम वास्तव में जूझते हैं, और हम कहते हैं, क्या यह सही व्याख्या है? और आप कहते हैं, ठीक है, चलो हिब्रू में वापस चलते हैं। क्षमा करें, हिब्रू ही समस्या है। यही कारण है कि हम इन सभी अलंकारों के बारे में बात कर रहे हैं।

यही कारण है कि हम इन भाषाई चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो अनुवादकों के लिए चुनौती हैं। कुछ लोग टार के गड्ढों में गिर गए जबकि बाकी बच गए।

ठीक है, यह थोड़ा बेहतर है। हम रिक्त स्थान भर सकते हैं। कुछ क्या? एनआईवी।

कुछ लोग उनमें गिर गए और बाकी लोग पहाड़ियों की ओर भाग गए। क्या यह स्वीकार्य है? मुझे लगता है कि हाँ। मुझे लगता है कि यह उसी तरह का विचार देता है।

और हमें यह विचार मिलता है कि पुरुष सैनिक हैं। हमें वहाँ सैनिक कहने की ज़रूरत नहीं है। वास्तव में, इब्रानियों में तो कुछ सैनिक भी नहीं कहा गया है।

इसमें सिर्फ़ वे ही लिखे हैं। कुछ लोग उनमें गिर गए और बाकी लोग भाग गए, ठीक वैसे ही जैसे दूसरे लोग। और इसलिए, हमें यह विचार आता है कि यह सैकड़ों लोगों की लड़ाई के बारे में बात कर रहा है, उनमें से कुछ भाग निकले और कुछ गड्ढों में मर गए।

ठीक है। तो, क्षमा करें, हम रूपकों की ओर बढ़ रहे हैं। तो, मेटोनीमी/सिनेकडोक क्या हम आकृति के पीछे के अर्थ का अनुवाद कर सकते हैं यदि आकृति स्वयं अच्छी तरह से संप्रेषित नहीं करती है? और ईमानदारी से कहें तो, यदि हम इसका हिब्रू से शाब्दिक अनुवाद करें तो यह अच्छी तरह से संप्रेषित नहीं होता है।

अगर ऐसा होता, तो हमारे पास तीन या चार या पाँच अलग-अलग व्याख्याएँ नहीं होतीं। इसलिए, स्पॉइलर अलर्ट, खुद को ध्यान में रखें, जब संस्करण असहमत होते हैं, तो कोई समस्या होती है जिसे ठीक किया जाना चाहिए। जब संस्करण असहमत होते हैं, तो इसका मतलब है कि इसमें कोई व्याख्या समस्या शामिल है जिसकी आपको जाँच करने की आवश्यकता है।

ठीक है, मैं आगे बढ़ता हूँ। रूपक।

खैर, यह एक रूपक है। रूपक एक अभिव्यक्ति है जो अक्सर साहित्य में पाई जाती है। क्षमा करें, हमारे पास पहले से ही यह था।

ठीक है, मुझे खेद है। अब मैं यह बातचीत बंद करना चाहता हूँ, और फिर मुझे एक और बातचीत करनी है जिस पर हम जा रहे हैं। ठीक है।

तो, यह हमारी आलंकारिक भाषा है। अब, हम दूसरी चर्चा की ओर बढ़ने जा रहे हैं, और वह इस बारे में होगी कि बाइबल में पाए जाने वाले प्रमुख बाइबल शब्दों या अज्ञात विचारों का अनुवाद कैसे किया जाए। ठीक है।



धन्यवाद।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन और बाइबल अनुवाद पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 14 है, अनुवाद और संचार में चुनौतियाँ भाषाई मुद्दे भाग 3, भाषण के और भी अलंकार।